मधुर-मधुर मेरे दीपक जल

महादेवी वर्मा

प्रदत्त कार्य-1 : समीक्षा लेखन

विषय : महादेवी वर्मा के किसी एक संस्मरण/रेखाचित्र को पढ़कर उसकी संक्षेप में समीक्षा प्रस्तुत करना।

उद्देश्य :

- समीक्षा विधा से परिचय।
- ज्ञान का विस्तार।
- स्वाध्याय की प्रेरणा।
- स्वतंत्र दृष्टिकोण का विकास।
- वाचन कौशल, पठन कौशल, लेखन कौशल, श्रवण कौशल का विकास।

निर्धारित समय : एक कालांश

प्रक्रिया :

1. व्यक्तिगत कार्य/सामूहिक कार्य।
2. शिक्षक किसी संस्मरण/रेखाचित्र की समीक्षा कक्षा में सुनाकर कार्य व मूल्यांकन के आधार बिंदु को समझाएँगे।
3. शिक्षक विद्यार्थियों को महादेवी वर्मा के संस्मरण/रेखाचित्र पढ़ने के लिए प्रोत्साहित करें। संबंधित पुस्तकों की जानकारी दें।
4. पढ़ने व समीक्षा तैयार करने हेतु विद्यार्थियों को 4-5 दिन का समय अवश्य दें।
5. कक्षा में कुछ पुस्तकें उपलब्ध करवाकर, कुछ समूहों में बांटकर भी कार्य कराया जा सकता हैं।
6. प्रत्येक समूह में 3-4 विद्यार्थी मिलकर एक समीक्षा तैयार करें और एक प्रतिभागी उसे प्रस्तुत करे।
7. इस दौरान शिक्षक आवश्यकतानुसार उनकी सहायता करें।
8. प्रत्येक को समीक्षा प्रस्तुति हेतु 3-4 मिनट का समय दिया जाए।

मूल्यांकन के आधार बिंदु :

- विषय वस्तु के चयन
- विषय वस्तु (संस्मरण/रेखाचित्र) के स्तर
- शब्द चयन व वाक्य रचना
- उच्चारण एवं स्वर की स्पष्टता
- समीक्षा (समग्र प्रस्तुति) तथ्यों का संकलन

टिप्पणी :

- अध्यापक किसी अन्य उपयुक्त बिंदु को भी मूल्यांकन का आधार बना सकते हैं।

प्रतिपुष्टि :

- प्रभावशाली समीक्षा की सराहना की जाए।
- औसत प्रस्तुति को प्रोत्साहन देकर अच्छा कार्य करने के लिए प्रेरित करना।

प्रदत्त कार्य-2 : कविता का गायन।

विषय : महादेवी वर्मा की अन्य कविता।

उद्देश्य :

- काव्य विधा के प्रति आकर्षण।
- स्वाध्याय की प्रेरणा।
- ज्ञान का विस्तार।
- वाचन व श्रवण कौशल का विकास।
- भावुकता व संवेदनशीलता का विकास।

निर्धारित समय : एक कालांश

प्रक्रिया :

1. सामूहिक/व्यक्तिगत कार्य।
2. सर्वप्रथम शिक्षक महादेवी वर्मा की किसी कविता को कक्षा में सुनाएगा।
3. शिक्षक कार्य व मूल्यांकन के विषय में पहले ही विद्यार्थियों को बताएंगे।

4. 3–4 विद्यार्थियों का एक समूह बनाकर भी कार्य किया जा सकता है।

5. महादेवी वर्मा की कविताओं को विद्यार्थी कहाँ से पढ़ सकते हैं यह शिक्षक बताएंगे। अगर संभव हो तो कुछ पुस्तकें उपलब्ध कराई जाएं।

6. कविता चयन के लिए विद्यार्थियों को दो दिन का समय अवश्य दिया जाए।

7. निर्धारित दिन सभी विद्यार्थी/समूह का एक प्रतिभागी कविता पाठ करेगा।

8. इस समय शिक्षक व अन्य विद्यार्थी मूल्यांकन करेंगे।

मूल्यांकन के आधार बिंदु :

- कविता का चयन
- उच्चारण क्षमता
- लयबद्धता
- स्वर की स्पष्टता
- आत्मविश्वास

टिप्पणी :

- अध्यापक किसी अन्य उपयुक्त बिंदु को भी मूल्यांकन का आधार बना सकते हैं।

प्रतिपुष्टि :

- अच्छे कार्य की सराहना की जाए।
- उच्चारण व लय संबंधी कमियों को सुझाव देकर ठीक करने का प्रयास किया जाए।
- कविता चयन न हो पाने व सही कविता चयन न होने पर अतिरिक्त समय दिया जाए ताकि वह कार्य पूरा कर सके।

प्रदत्तकार्य-3 : कार्य-प्रपत्र

विषय : जीव-जंतुओं पर प्रकृति का प्रभाव।

उद्देश्य :

- प्रकृति तथा प्राणी मात्र के संबंधों की जानकारी।
- ज्ञान का विस्तार।

- जिज्ञासु प्रवृत्ति का विकास।
- चिंतन–मनन प्रवृत्ति का विकास।
- लेखन कौशल का विकास।
- प्रकृति के प्रति भावुक व संवेदनशील बनाना।

निर्धारित समय : एक कालांश

प्रक्रिया :

1. व्यक्तिगत कार्य।
2. कविता समाप्त होने के बाद यह कार्य करवाया जाए।
3. सर्वप्रथम शिक्षक छात्रों को बताएं कि विभिन्न ऋतुओं का मनुष्य पर क्या मानसिक प्रभाव पड़ता है?
4. कार्य के स्वरूप से छात्रों को परिचित कराते हुए उपरोक्त विषय से संबंधित कार्य–प्रपत्र पूर्ण करने के लिए दिया जाएगा।
5. उपरोक्त कार्य 'कार्य–प्रपत्र' के माध्यम से अथवा श्याम–पट्ट पर लिखाकर भी करवाया जा सकता हैं।
6. छात्रों को कार्य–प्रपत्र पूर्ण करने के लिए 10–15 मिनट का समय दिया जाए।
7. मूल्यांकन के आधार तथा अंक कार्य से पूर्व श्यामपट्ट पर लिख दिए जाएं।

कार्य–प्रपत्र

प्रकृति के विभिन्न उपादानों का अथवा स्थिति विशेष में किस पक्षी, जीव–जंतु पर क्या प्रभाव पड़ता है?

- काले बादलों के घिरने पर .....
- पूर्ण चांद को देखकर .....
- बसंत ऋतु के आगमन पर .....
- जलती लौ को देखकर .....
- आम तथा अमरूद के पकने पर .....
- फूलों के खिलने पर .....
- सर्दियों के आगमन पर गहरी नींद सो जाते हैं .....
- वर्षा ऋतु प्रारंभ होते ही स्वर सुनाई देते हैं .....
- फसल के पकने पर धावा बोलते है .....

- सूरज निकलते ही वातावरण मुखरित हो जाता है .....
- स्वाति नक्षत्र में बरसी बूंद को पाकर .....
- गोधूलि बेला होते ही .....

मूल्यांकन के आधार बिंदु :

- सही जानकारियां

टिप्पणी :

- अध्यापक किसी अन्य उपयुक्त बिंदु को भी मूल्यांकन का आधार बना सकते हैं।

प्रतिपुष्टि :

- शिक्षक की सहायता के लिए उत्तर–कोयल, भौंरा, चातक,चकोर, चीटियाँ, छिपकली, मेंढक, तितली, टिड्डे, गाय, मोर, पतंगा, तोते।
- कार्य पूर्णता के संदर्भ में प्रत्येक छात्र की सराहना की जाए।
- कार्य–प्रपत्र एकत्रित करने के पश्चात् सभी जानकारियां छात्रों की सहायता से श्यामपट्ट पर लिखें।
- कार्य पूर्ण न कर पाने वाले छात्रों को प्रेरणा देकर कार्य पूरा करवाएं।

प्रदत्त कार्य–4 : कैलेण्डर निर्माण

विषय : महादेवी वर्मा का साहित्यिक परिचय।

उद्देश्य :

- कवयित्री को जानना।
- उनके योगदान को समझना।
- कलात्मक अभिरुचि।
- चित्रकला का ज्ञान।

निर्धारित समय : एक कालांश

प्रक्रिया :

1. व्यक्तिगत कार्य।
2. सर्वप्रथम शिक्षक साहित्य में कवयित्री के योगदान पर कक्षा में चर्चा करेगा।

3. गतिविधियों के स्वरूप को समझाएंगे।

4. गतिविधि के लिए आवश्यक सामग्री के बारे में बताएंगे।

5. निर्धारित दिन सभी सामान लेकर बच्चे आएंगे तथा एक कालांश में कैलेण्डर का निर्माण करेंगे।

6. कार्य करते समय अध्यापक बच्चों के बीच अनुशासन बनाकर रखेंगे।

7. कार्य के दौरान शिक्षक आवश्यकतानुसार विद्यार्थियों की सहायता करें।

मूल्यांकन के आधार बिंदु :

- संपूर्ण प्रभाव के आधार पर मूल्यांकन बिन्दु तय किया जाए।

टिप्पणी :

- अध्यापक किसी अन्य उपयुक्त बिंदु को भी मूल्यांकन का आधार बना सकते हैं।

प्रतिपुष्टि :

- प्रभावशाली कैलेण्डर की सराहना।
- अधूरे कार्य को मार्गदर्शन देकर पूरा करवाया जाए।
- कमियों को दूर करने हेतु प्रयास किया जाए।
- सर्वश्रेष्ठ कैलेण्डर को विद्यालय के सूचना पट पर प्रदर्शित किया जाए।
- अच्छा कार्य करने वाले विद्यार्थी की सराहना की जाए।

प्रदत्त कार्य-5 : चित्र वर्णन

विषय : चित्र देखकर भाव व्यक्त करना।

उद्देश्य :

- भावुकता व संवेदनशीलता का विकास।
- कल्पनाशीलता का विकास।
- शब्द भंडार में वृद्धि।
- श्रवण-वाचन कौशल का विकास।

निर्धारित समय : एक कालांश

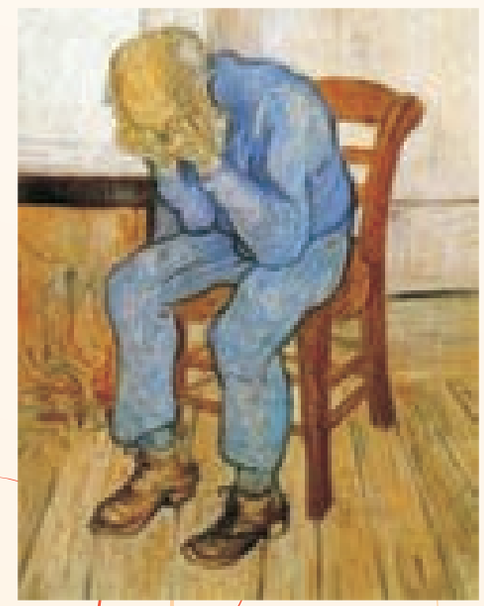

प्रक्रिया :

1. व्यक्तिगत कार्य।
2. अध्यापक चित्र वर्णन के स्वरूप से विद्यार्थी को परिचित कराएं।
3. छात्रों को विचार करने तथा मुख्य बिंदु लिखने हेतु 10 मिनट का समय दिया जाए।
4. प्रत्येक छात्र को अभिव्यक्ति हेतु 1–2 मिनट का समय दिया जाए।
5. अध्यापक ध्यान रखें कि प्रत्येक छात्र ध्यानपूर्वक कार्य में हिस्सा ले रहा है।
6. छात्र तथा अध्यापक मिलकर कार्य का मूल्यांकन करें।
7. मूल्यांकन के आधार तथा अंक पूर्व में ही श्यामपट्ट पर लिख दिए जाएं।

मूल्यांकन के आधार बिंदु :

- विषयानुकूल
- अभिव्यक्ति
- भाषा
- भाव एवं आत्मविश्वास

टिप्पणी :

- अध्यापक किसी अन्य उपयुक्त बिंदु को भी मूल्यांकन का आधार बना सकते हैं।

प्रतिपुष्टि :

- कार्य पूर्ण करने के संदर्भ में प्रत्येक छात्र की सराहना की जाए।
- कार्य में कमी रहने पर छात्र की कमी दूर करने के लिए प्रेरित करें।
- उच्चारण संबंधी त्रुटियों को दूर करने के लिए सामान्य रूप से सुझाव दें।